कॉमनवेल्थ की असफलता के जिम्मेदार कारणों की

Ques - ~~कॉमवेल्थ~~ व्याख्या कीजिए।

Discuss the main reasons responsible for the failure of Common wealth.

Ans - कॉमनवेल्थ की असफलता के लिए निम्नलिखित कारण जिम्मेदार थे।

1. कॉमवेल के मौलिक सिद्धान्त समय से आगे — कॉमवेल ने धार्मिक सहिष्णुता, सुधारपूर्ण संसद तथा उच्च नैतिक आदर्श आदि मौलिक सिद्धान्त जनसाधारण के समक्ष प्रस्तुत किये। परन्तु यह विचार तात्कालीन समाज तथा समय से बहुत आगे थे। फलस्वरूप जनता उन विचारों के महत्व को समझ न सकी तथा उस पर इन विचारों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

2. प्रजातन्त्र के समर्थकों के साथ धोखा — सत्ता हथियाने के बाद कॉमवेल ने प्रजातन्त्रीय समर्थकों को अनेक प्रकार से धोखा देना प्रारम्भ कर दिया। इन पर कई प्रकार से अत्याचार किया गया। उनकी शक्ति को समाप्त कर दी गई। पूरे देश में निरंकुश शासन का बोलबाला हो गया। प्रजातन्त्र के समर्थक, कॉमवेल के निरंकुश शासन को समाप्त करने की योजना बनाने लगे।

3. राजतन्त्र के समर्थकों का विरोध — देश में राजतन्त्रीय समर्थकों की संख्या काफी थी। उनके विचारानुसार कॉमवेल एक अपहरणकर्ता एवं लुटेरा था, जिसने इंग्लैंड के सिंहासन पर आधिपत्य जमा लिया था। वे सदैव कॉमवेल के शासन को समाप्त करने की अवसर की खोज में थे।

4. संसद सदस्यों की अज्ञानता — कॉमनवेल्थ के

कार्यकर्ता अनुभवहीन होने के कारण अपने कामों में असफल रहे, जो व्यक्ति राज्य कार्य का अनुभव रखते थे वे क्रॉमवेल के व्यक्तित्व के सामने कुछ न कर सके, उन्हें क्रॉमवेल के सुझाव पर ही काम करना पड़ता था।

5. प्यूरिटन नेताओं का स्वार्थ — क्रॉमवेल को छोड़ कर बाकी सभी प्यूरिटन नेता स्वार्थी और लालची थे। उन्हें देश की उन्नति से कोई मतलब नहीं था। अपनी शक्ति बढ़ाने के लिए प्रत्येक नेता दूसरों के साथ संघर्ष करते रहते थे। अतएव जनसाधारण कॉमनवेल्थ की आलोचना करने लगे।

6. सैनिक शासन — क्रॉमवेल ने देश में सैनिक ढंग से शासन किया इसके कारण इंग्लैंड के जनता के दिलों में कॉमनवेल्थ के प्रति घृणा की भावना पैदा हो गई। सम्पूर्ण देश को 11 प्रान्तों में बाँट करके प्रत्येक प्रान्त को एक मेजर जेनरल को सौंप दिया गया। प्रत्येक मेजर जेनरल को असीमित अधिकार दे दिये गये थे। जनसाधारण इस तरह की सैनिक शासन से दुखी थी। अब जनता की कॉमनवेल्थ में आस्था न रही। जनता इस फौजी शासन से घृणा करने लगी।

7. संसद का प्रतिनिधि संस्था का न होना — चूँकि क्रॉमवेल की संसद के सदस्य जनसाधारण के प्रतिनिधि न थे। जनसाधारण ने इसे प्रतिनिधि संस्था नहीं माना, क्योंकि क्रॉमवेल ने सम्राट समर्थक प्रतिनिधियों को दीर्घ संसद से निकाल कर इसके स्थान पर अपनी इच्छानुसार अपने दल के व्यक्तियों को संसद सदस्य बना लिया था। इस प्रकार संसद जनता का प्रतिनिधित्व न कर क्रॉमवेल का प्रतिनिधित्व करती थी। अतः यह संसद लोकप्रिय न हो सकी।

Scanned with CamScanner

8. चार्ल्स प्रथम के शासनकाल का प्रभाव — चार्ल्स प्रथम के विरोधी बहुत थे लेकिन वे उसे मृत्युदण्ड दिये जाने के पक्ष में नहीं थे। मृत्युदण्ड का समर्थन करने वालों की संख्या बहुत कम थी। मृत्युदण्ड के समय चार्ल्स प्रथम बहुत गम्भीर रहा, जिससे जनता बहुत प्रभावित हुई। इस प्रकार चार्ल्स के मृत्युदण्ड के परिणामस्वरूप अधिकांश व्यक्ति राजतन्त्र के समर्थक बन गये। जनता चार्ल्स प्रथम की शहीद समझने लगी।

9. क्रॉमवेल की धार्मिक नीति — क्रॉमवेल धार्मिक दृष्टिकोण से जन साधारण के जीवन स्तर को ऊँचा उठाना चाहता था। उसके सुझावानुसार नृत्य, गायन, मनोरंजन, चित्रकला आदि साधारण चरित्र को दूषित करती है। अतः उसने इन पर प्रतिबंध लगा दिया। दूसरे शब्दों में उसने जन साधारण के व्यक्तिगत जीवन में हस्तक्षेप करना शुरू कर दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि जनता क्रॉमवेल से घृणा करने लगी।

10. जनता पर अत्यधिक कर भार — चार्ल्स प्रथम के शासनकाल में जितना कर आय जनता को देना पड़ता था, उसकी तुलना में क्रॉमवेल के शासनकाल में कर-भार तिगुना कर दिया, परन्तु फिर भी बजट का खाता पूरा नहीं हुआ। प्रत्येक वर्ष लगभग 5 लाख पाउण्ड का खाता घटता गया। प्रजा पर इतना अधिक कर लगाया गया कि वह उस बोझ को सहने में असमर्थ सी हो गई। यही कारण था कि वह क्रॉमवेल के शासन से पूरी तरह ऊब गई थी।

11. क्रॉमवेल के पुत्र का अयोग्य होना — ऑलिवर क्रॉमवेल की मृत्यु के बाद उसका पुत्र रिचर्ड क्रॉमवेल शासक बना। वह अयोग्य एवं कायर निकला। उसके

सामने बहुत सारी कठिनाइयाँ थी जिसका सामना करने में वह असफल रहा। उसकी अयोग्यता से इंग्लैंड की जनता निराश हो गई तथा उसका विरोध करने लगी। इस विरोध के डर से रिचर्ड ने त्याग पत्र दे दिया। रिचर्ड के हटने से कॉमनवेल्थ का कोई भी पदाधिकारी नहीं रहा और उसका अन्त हो गया।